आँधी

रात हुई तारीकी छाई, मीठी नींद सभी को आई।
मुन्नू सोया अप्पा सोई, अब्बा सोए अम्मी सोई।
आधी रात हुई जब सोते, खर खर खर खर्राटे भरते।
चुपके-चुपके आँधी आई, गर्द गुबार उड़ाती लाई।
चली हवाएँ सुर्र सुर्र सुर्र सुर्र, कागज़ उड़ गए फुर्र फुर्र फुर्र फुर्र।
खड़ खड़ खड़ खड़ पत्ते खड़के, डरने वालों के दिल धड़के।
बजने लगे किवाड़े खट खट, घर वाले सब जागे झटपट।
खटपट सुनकर मुन्नू जागा, उठकर झटपट अंदर भागा।
आँधी ने फिर ज़ोर दिखाया, फूस का छप्पर दूर गिराया।
टीन उड़ाई पेड़ गिराए, खपरे भी छत के सरकाए।
शाखें टूटीं तड़ तड़ तड़ तड़, बादल गरजे गड़ गड़ गड़ गड़।
बिजली चमकी चम चम चम चम, बूँदें टपकीं कम कम थम थम
लेकिन वह बूँदें थीं कैसी, पट पट पट पट ओले जैसी।

11/02/2021

Class - IV
पाठ - आँधी

प्रश्नोत्तरी -

1. रात के समय सभी को कैसी नींद आई है?
उत्तर: रात के समय सभी को मीठी नींद आई है।
2. आँधी कैसे और कब आई?
उत्तर: आँधी आधी रात को चुपके-चुपके आई।
3. कौन-सी आवाज़ को सुनकर दिल धड़क उठा?
उत्तर: पत्ते की खड़कने की आवाज़ सुनकर दिल धड़क उठा।
4. किस की आवाज़ सुनकर घर वाले जाग उठे?
उत्तर: किवाड़ के खटकने की आवाज़ सुनकर घर वाले जाग उठे।
5. आँधी के कारण फूस, टीन, पेड़ और खपरे का क्या हुआ?
उत्तर: आँधी के कारण फूस का छप्पर दूर गिरा, टीन उड़ा, पेड़ गिरा और खपरे का छत सरक गया।
6. कवि ने बादल, बिजली और बूँदें टपकने की आवाज़ कैसी बताई है?
उत्तर - कवि ने बादल गरजने की आवाज़ गड़-गड़, बिजली चमकने की आवाज़ चम-चम और बूँदों की बरसने की आवाज़ झम-झम बताई है।